रेक्क्यू किये गए सार्पों का इलाज कर मनाई नागपंचमी

जबलपुर आज दिनांक 02 अगस्त 2022 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाइल्डलाइ फॉरेंसिक एंड हैल्थ में सपेरों से मुक्त कराये गए लगभग पचहत्तर सर्पों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं घायल सर्पों के जख्मों की समुचित चिकित्सा कर उन्हें मुक्त आवास में छाड़ने हेत वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सीता प्रसाद के निर्देशानुसार विशेष टीम गठित कर एस.डब्ल्यू.एफ.एच. की संचालिका डॉ. शोभा जावरे, वैज्ञानिक डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. अमोल एवं डॉ. निधि द्वारा इलाज किया गया, जिसमें रिसर्च स्कॉलर वैभव, हमजा, माधवी, पिल एवं योगेन्द्र ने सहयोग किया गया।

रेस्क्यू किये गए सर्पों में पचास कोबरा, बाइस धामन, एक बैंडेड रेसर, एक ट्रिंकेट एवं एक कुकरी प्रजाति के पाए गए। रेस्क्यू किये गए कई कोबरा सर्पों के ऊपर–नीचे के जबड़े आपस में सिले हुए थे, वहीं कुछ के आपस में चिपका दिए गए थे। कई सर्पों की विष ग्रंथि निकालकर उन्हें जहर के दांत फैंगटीथ तोड़ दिए गए थे। इलाज के दौरान कई दिनों से भूखे–प्यासे सर्पों को पानी पिलाया गया। वन्यप्राणी रेस्क्यू दल के प्रभारी डिप्टी रेंजर श्री गुलाब सिंह एवं अन्य सदस्यों श्री धनन्जय, रत्नेश, ऋषभ, हर्ष इत्यादि की इस रेस्क्यू आूपरेशन में विशेष भूमिका रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी ने बताया कि पर्यावरण संतुलन में सर्पों का विशेष महत्व है, ये किसानों के मित्र हैं, क्योंकि ये कृषि को नुकसान पहुंचाने वाले कई परजीवियों को नियंत्रित करते हैं। व्यापक जनजागरूकता फैलाकर एवं भ्रांतियों को दूर कर सर्पों का संरक्षण किये जाने की आवश्यकता है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबजपुर